



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग—II खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART—II Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 462]

No. 462]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 6, 1979/कार्तिक 15, 1901

NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 6, 1979/KARTIKA 15, 1901

इस भाग में मिश्र पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

उद्योग मंत्रालय

(श्रीयोगिक विकास विभाग)

प्रधिकार सं०

नई दिल्ली, 6 नवम्बर 1979

कांग्रेस ६४२ (मा) आई डी भार. ए/२९८०/७९-१.—केन्द्रीय मंत्रालय, उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का ६५) की धारा २९-ख की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऐसे प्रत्येक श्रीयोगिक उपक्रम को, जो पूर्णतः या भागतः ऊन से निम्नलिखित सभी या किसी किस्म के, धूर्यालू वस्टेट, पुनरावृत ऊन या ऊन (प्रथम् देशी ऊन पर आधारित) तन्तु के कातने में न तो लगा है और न लगाने की प्रस्थापना है, और जिसकी कुल अवधि १२०० स्पिण्डल तक है उक्त अधिनियम की धारा १०, ११, ११-क और १३ तथा उसके अधीन बनाया गया नियमों के प्रवर्तन से, निम्नलिखित घटों के अधीन रखने हुए, छूट देती है, अप्रति—

(१) श्रीयोगिक उपक्रम, या तो कम्पनी अधिनियम, 1956 १९५६ का १) की धारा ६१७ में यथा परिभाषित सहकारी कम्पनी या ऊनी (प्रथम् देशी ऊन पर आधारित), वस्टेट या पुनरावृत ऊन तन्तु के कातने में लगी अथवा ऊनी हस्तान्तित कालीन या ऊनी हथकरघा वस्त्र बनाने या ऊनी होजरी के विनियम में लमी रजिस्ट्रीकॉर्ट सहकारी संसाझी के स्वामित्व में है।

(२) विनियम वस्तु भारत सरकार के भूत्यूर्व श्रीयोगिक विकास मंत्रालय (श्रीयोगिक विकास विभाग) की समव्यवस्था पर यथा संशोधित, अधिसूचना सं० का० आ० ९८ ई/आइ डी भार. ए/२९८०/७३/१, तारीख १६ फरवरी, १९७३ की अनुसूची में विनियम वस्तु नहीं है।

(३) ऐसा श्रीयोगिक उपक्रम तापा एकाधिकार अवधीनक व्यापारिक व्यवहार अधिनियम १९६९, (१९६९ का ५४) या विवेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, १९७३ (१९७३ का ४६) की परिवर्ति में नहीं आता है।

(४) श्रीयोगिक उपक्रम निम्नलिखित स्थान पर न तो अवस्थित है और न अवस्थित होने की प्रस्थापना है :

(क) किसी ऐसे नगर की मानक नगरीय भेत्र सीमा के भीतर, जिसकी जनसंख्या १९७१ की जनगणना के अनुसार यथा अमिनियत दम लाख में अधिक है, या

(ख) किसी ऐसे नगर की नगरसामिक सीमाओं के भीतर, जिसकी जनसंख्या, १९७१ की जनगणना के अनुसार यथा अमिनियत पाँच लाख से अधिक है।

(५) श्रीयोगिक उपक्रम अपना रजिस्ट्रीकॉर्ट वस्त्र आयुक्त के यहां कराएगा और श्रीयोगिक उपक्रम रजिस्ट्रीकॉर्ट और अनुसापन नियम, १९५२ से उपावद्ध प्रक्रम 'छ' में उपक्रम द्वारा की गई प्रति के बारे में एक विवरणी देगा तथा प्रत्येक मास वस्त्र आयुक्त को उत्पादन विवरणों भी ऐसे प्ररूप में देगा जो उक्त नियमों के उपलब्धी के अधीन अधिसूचित किया जाए।

2. यह अधिसूचना समय-समय पर यथा संशोधित, ऊपर निर्दिष्ट अधिसूचना सं० का० आ० 98E/प्राई डी आर ए/29 बी/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 के अनुरिक्त है न कि उसके अल्पीकरण में ।

[सं० 12/189/79-एन पी]

**MINISTRY OF INDUSTRY**  
(Department of Industrial Development)  
NOTIFICATIONS

New Delhi, the 6th November, 1979

**S.O. 642(E)/IDRA/29B/79-I.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby exempts every industrial undertaking engaged or proposed to be engaged in the spinning of all or any of the following kinds of yarn, namely, worsted; shoddy or woollen (i.e., based on indigenous wool) yarn, either wholly or partially from wool, having a total capacity upto 1200 spindles per undertaking, from the operation of sections 10, 11, 11A and 13 of the said Act and the rules made thereunder, subject to the following conditions, namely:—

- The industrial undertaking shall be owned either by a Government Company as defined in section 617 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), or a registered cooperative society engaged in the spinning of woollen (i.e., based on indigenous wool), worsted or shoddy yarn or in the manufacture of woollen hand-knitted carpets or woollen handloom weaving or woollen hosiery.
- The article of manufacture shall not be an article specified in Schedule I to the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. S.O. 98E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, as amended from time to time.
- Such industrial undertaking does not fall within the purview of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), or within the purview of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973, (46 of 1973).
- The industrial undertaking is not located or proposed to be located—
  - within the standard urban area limit of a city, having a population of more than one million as ascertained at the 1971 census; or
  - within the municipal limits of a city, having a population of more than five lakhs, as ascertained at the 1971 Census.
- The industrial undertaking shall register itself with the Textile Commissioner and shall furnish a return in Form G appended to the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, in respect of progress made by the undertaking and shall also submit production returns every month to the Textile Commissioner in such Form as may be notified under the provisions of the said Rules.

2. This notification is in addition to and not in derogation of the Notification No. S.O. 98E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, referred to above, as amended from time to time.

[No. 12/189/79-LP]

का० आ० 643(ए) आ० 98E/प्रा० 29 बी/73/1—ऐत्रीय सरकार, उत्तरोग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 का (१९५१) की धारा २९ब की उपधारा (१) द्वारा प्रदत्त आदि यों का प्रयोग रुपें, ऐसे प्रत्येक श्रीधोगिक उपक्रम को, जिस की कुल क्षमता प्रति उपक्रम 1200 स्पिनिंग से कम है और जो ऊपर से पूर्णतः या भागतः वर्स्टेड या ऊनी तन्तु अथवा बोनों (पुनरावृत ऊन से बिना) के कानूने में वर्गा है, उक्त अधिनियम की धारा 13 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के प्रवर्तन से निम्नलिखित शर्तों के प्रधीन रहते हुए, छठे देनी है, जिससे कि प्रति उपक्रम कुल क्षमता का विस्तार 1200 स्पिनिंग तक हो सके, अर्थात्:—

(1) विनियमित वस्तु, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रीधोगिक विकास मंत्रालय (श्रीधोगिक विकास विभाग) की समय-समय पर

यथा संशोधित अधिसूचना सं० 98E/प्रा० 29 बी/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 की अनुमती 1 में यथा विनियमित रूप से अधिक है।

- ऐसा श्रीधोगिक उपक्रम, एकाधिकार नथा अवरोधक व्यापारिक अवधार प्रविनियम, 1969 (1969 का 54) या विदेशी मुद्रा विनियम प्रविनियम, 1973 (1973 का 46) की परिधि के अन्तर्गत नहीं आता है।
- श्रीधोगिक उपक्रम निम्नलिखित म्यात पर अवस्थित न हो:—
  - किसी ऐसे वार्ग की मानक तगड़ी क्षेत्र सीमा के भीतर, जिसकी जनसंख्या 1971 की जनगणना के अनुमान में अधिक है, या
  - किसी ऐसे नगर की नपरपालिक सीमाओं के भीतर, जिसकी जनसंख्या, 1971 की जनगणना के अनुगाम यथा अधिनियमित पाच लाख में अधिक है।
- श्रीधोगिक उपक्रम अपना रजिस्ट्रीकरण वस्तु आयुक्त के यहां कराएगा और श्रीधोगिक उपक्रम रजिस्ट्रीकरण और अनुशासन नियम, 1952 से उपायक प्रब्लेम 'ए' में उपक्रम द्वारा की गई प्रगति के बारे में एक विवरणी देगा तथा प्रत्येक मास वस्तु आयुक्त को उत्पादन विवरणिया भी ऐसे प्रब्लेम में देगा जो उक्त नियमों के उपकरणों के प्रधीन अधिसूचना किया जाए।

2. यह अधिसूचना समय-समय पर यथा संशोधित ऊपर निर्दिष्ट अधिसूचना सं० का० आ० 98E/प्रा० 29 बी/73/1, तारीख 16 फरवरी, 1973 के अनुरिक्त है न कि उसके अल्पीकरण में।

[प० 12/189/79-एन पी]  
भी राय, संयुक्त सचिव

**S.O. 643(E)/IDRA/29B/79-II.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 29B of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby exempts from the operation of section 13 of the said Act and the rules made thereunder, every industrial undertaking having a total capacity of less than 1200 spindles per undertaking and engaged in the spinning of worsted or woollen yarn or both (other than shoddy yarn), either wholly or partially from wool, so as to enable the expansion of its total capacity upto 1200 spindles per undertaking, subject to the following conditions, namely:—

- The article of manufacture shall not be an article specified in Schedule I to the notification of the Government of India in the late Ministry of Industrial Development (Department of Industrial Development) No. 38E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, as amended from time to time.
- Such industrial undertaking does not fall within the purview of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), or within the purview of the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973).
- The industrial undertaking is not located—
  - within the standard urban area limit of a city, having a population of more than one million as ascertained at the 1971 Census; or
  - within the municipal limits of a city, having a population of more than five lakhs, as ascertained at the 1971 Census.
- The industrial undertaking shall register itself with the Textile Commissioner and shall furnish a return in Form G appended to the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, in respect of progress made by the undertaking and shall also submit production returns every month to the Textile Commissioner in such Form as may be notified under the provisions of the said Rules.

2. This notification is in addition to and not in derogation of notification No. S.O. 98E/IDRA/29B/73/1, dated the 16th February, 1973, referred to above, as amended from time to time.

[No. 12/189/79-LP]  
B. ROY, Jt. Secy.